Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ई-पाठशाला कार्यक्रम

Class 11th

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत

GEOGRAPHY

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

RAPID REVISION



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

धरातलीय जल

भौम जल



Q.1 निम्नलिखित में से किन चट्टानों में धरातलीय व भौम जल रासायनिक प्रक्रियाओं (घोलीकरण व अवक्षेपण) द्वारा कार्स्ट स्थलाकृति का विकास करते हैं?

A बालू पत्थर व क्वाटजाइट

B चूना पत्थर या डोलोमाइट

C ग्रेनाइट व बेसाल्ट

D स्लेट व शिस्ट

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 चूना पत्थर के धरातल पर घुलन प्रक्रिया द्वारा बने छोटे व मध्यम आकार के गर्त क्या कहलाते हैं?

A घोलरंध्र (Sinkholes)

B लेपीज (Lapies)

C एस्कर

D ड्रमलीन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.3 हिमनद घाटियों के शीर्ष पर पाए जाने वाले गहरे, लंबे व चौड़े गर्त जिनकी दीवारें तीव्र ढाल वाली होती हैं, क्या कहलाते हैं?

A सर्क (Cirque)

B हॉर्न

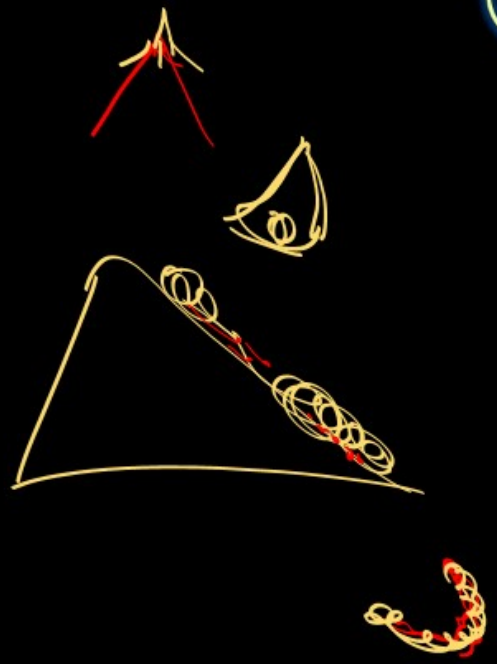
C अरेत

D फियोर्ड

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Q.4 हिमनद के पिघलने से जल जब बर्फ के नीचे नदी धारा में प्रवाहित होता है और मलबे के जमाव से वक्राकार कटक बनते हैं, तो उन्हें क्या कहा जाता है?

A ड्रमलिन

B एस्कर (Eskers)

C टार्न झील

D फियोर्ड

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.5 हिमनद मृत्तिका के अंडाकार समतल कटकनुमा स्थलरूप जिनमें रेत व बजरी के ढेर होते हैं और जिनका हिमनद सम्मुख भाग स्टॉस कहलाता है, क्या हैं?

A ड्रमलिन (Drumlins)

B पार्श्विक हिमोढ़

C स्टैलेक्टाइट

D युवाला

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थान पूर्ति

Q.6 कार्स्ट टोपोग्राफी नाम एड्रियाटिक सागर के साथ बाल्कन कार्स्ट क्षेत्र में उपस्थित लाइमस्टोन (चूना पत्थर) चट्टानों पर विकसित स्थलाकृतियों पर आधारित है.

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

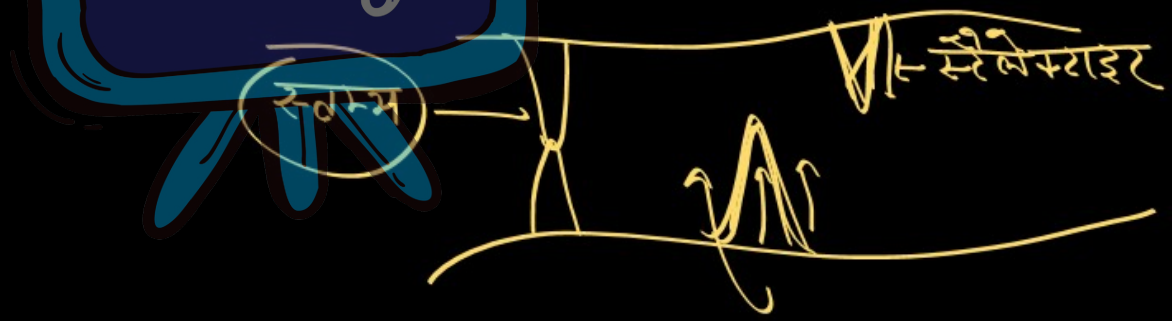
Q.7 जब घोलरंध्र व डोलाइन कंदराओं की छत के गिरने से आपस में मिल जाते हैं, तो लंबी, तुंग तथा विस्तृत खाइयाँ बनती हैं जिन्हें घाटी रंध्र या _____ कहते हैं.

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.8 चूना पत्थर गुफाओं में कंदराओं की फर्श से ऊपर की तरफ बढ़ने वाले स्तंभ रूपी निक्षेपण को स्टैलेक्माइट _____ कहा जाता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



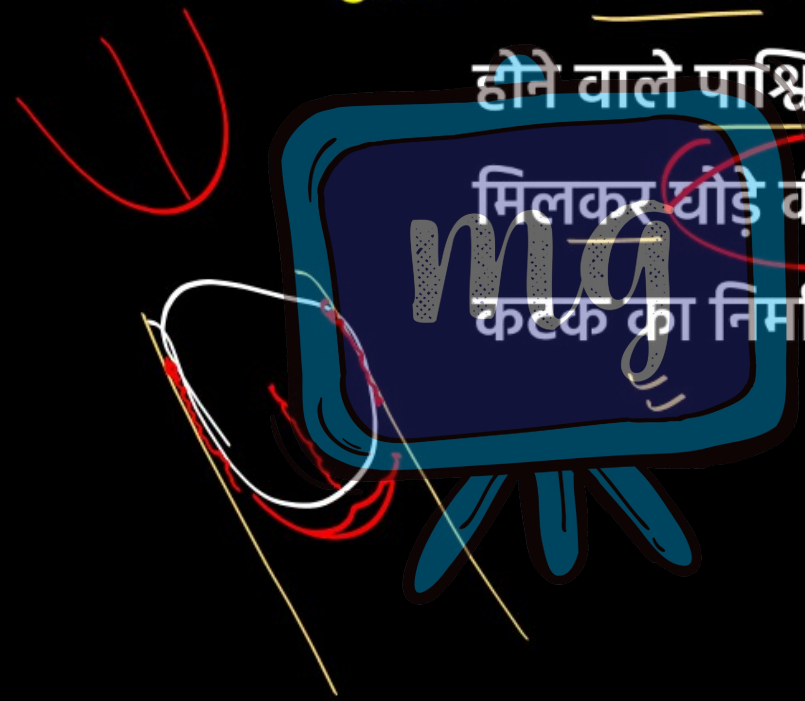
Q.9 तीन या अधिक विकीर्णित हिमनद निरंतर शीर्ष पर अपरदन करें, तो एक तीव्र किनारों वाली नुकीली चोटी का निर्माण होता है जिसे _____ कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.10 हिमनद घाटी की दीवार के समानांतर निर्मित होने वाले पार्श्विक हिमोढ़ अंतस्थ हिमोढ़ से मिलकर घोड़े की नाल या अर्द्ध-चन्द्राकार कटक का निर्माण करते हैं.



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

Q.11 कार्स्ट स्थलाकृति से क्या तात्पर्य है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.11 कार्स्ट स्थलाकृति से क्या तात्पर्य है?

उत्तर :

- किसी भी चूना पत्थर या डोलोमाइट चट्टानों के क्षेत्र में भौम जल द्वारा घुलन प्रक्रिया और उसके निक्षेपण से बने स्थलरूपों को कार्स्ट स्थलाकृति कहा जाता है।
- यह नाम बाल्कन कार्स्ट क्षेत्र की लाइमस्टोन स्थलाकृतियों पर आधारित है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.12 लेपीज (Lapies) का निर्माण कैसे होता है?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.12 लेपीज (Lapies) का निर्माण कैसे होता है?



उत्तर :

- चूनायुक्त चट्टानों के अधिकांश गर्तों व खाइयों के हवाले होने के बाद पूरे क्षेत्र में अत्यधिक अनियमित, पतले व नुकीले कटक रह जाते हैं, जिन्हें लेपीज कहते हैं।
- इनका निर्माण चट्टानों की संधियों में भिन्न घुलन प्रक्रियाओं द्वारा होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.13 टार्न झील या सर्क झील किसे कहते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.13 टार्न झील या सर्क झील किसे कहते हैं?

उत्तर :

- हिमनद घाटियों के शीर्ष पर पाए जाने वाले गहरे, लंबे व चौड़े गर्त (सर्क) होते हैं।
- हिमनद के पिघलने पर जब इन गर्तों में जल भर जाता है, तब इनसे निर्मित झीलों को सर्क झील या टार्न झील कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.14 फियोर्ड (Fiord) क्या हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.14 फियोर्ड (Fiord) क्या हैं?

उत्तर : बहुत गहरी हिमनद गर्तें जिनमें समुद्री जल भर जाता है तथा जो समुद्री तटरेखा पर स्थित होती हैं, उन्हें फियोर्ड कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

लघु उत्तरीय प्रश्न

Q.15 चूना पत्थर प्रदेशों में कंदराओं (Caves) और सुरंगों का निर्माण किस प्रकार होता है?

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.15 चूना पत्थर प्रदेशों में कंदराओं (Caves) और सुरंगों का निर्माण किस प्रकार होता है?



उत्तर :

- ऐसे प्रदेश जहाँ चट्टानों के एकांतर संस्तर हों और उनके बीच चूना पत्थर व डोलोमाइट चट्टानें पाई जाती हैं, वहाँ प्रमुखतया कंदराओं का निर्माण होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पानी दरारों व संधियों से रिसकर शैल संस्तरण के साथ क्षैतिज अवस्था में बहता है।
- इसी तल संस्तरण के सहारे चूना चट्टानें घुलती हैं और लंबे एवं तंग विस्तृत रिक्त स्थान बनते हैं, जिन्हें कंदराएँ कहा जाता है।
- कभी-कभी विभिन्न स्तरों पर कंदराओं का जाल बन जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ऐसी कंदराएँ जिनके दोनों सिरे खुले हों, उन्हें सुरंग (Tunnels) कहते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.16 चूना पत्थर की गुफाओं में निक्षेपण द्वारा बनने वाले स्थलरूपों–स्टैलेक्टाइट, स्टैलेग्माइट और स्तंभ–को समझाइए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.16 चूना पत्थर की गुफाओं में निक्षेपण द्वारा बनने वाले स्थलरूपों–स्टैलेक्टाइट, स्टैलेग्माइट और स्तंभ–को समझाइए।

उत्तर:

- चूना पत्थर में मुख्य रसायन कैल्शियम कार्बोनेट है जो कार्बनयुक्त जल में घुल जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- वाष्पीकरण या कार्बन डाइऑक्साइड गैस मुक्त होने पर कैल्शियम कार्बोनेट का निक्षेपण होता है।
- 'स्टैलेक्टाइट' विभिन्न मोटाइयों के लटकते हुए हिमस्तंभ जैसे होते हैं जो छत के पास मोटे और छोर पर पतले होते हैं।
- इसके विपरीत, 'स्टैलेग्माइट' कंदराओं के फर्श से ऊपर की तरफ बढ़ते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- विभिन्न मोटाई के स्टैलेग्माइट तथा स्टैलेक्टाइट के आपस में मिलने से स्तंभ और कंदरा स्तंभ बनते हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.17 हिमनदों द्वारा अपरदन की प्रक्रिया किस प्रकार होती है और इसके परिणामस्वरूप कौन-से प्रमुख अपरदित स्थलरूप (सर्क, हॉर्न, अरेत) बनते हैं?



Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.17 हिमनदों द्वारा अपरदन की प्रक्रिया किस प्रकार होती है और इसके परिणामस्वरूप कौन-से प्रमुख अपरदित स्थलरूप (सर्क, हॉर्न, अरेत) बनते हैं?

उत्तर :

- हिमनदों से प्रबल अपरदन होता है जिसका कारण इसके अपने भार से उत्पन्न घर्षण है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

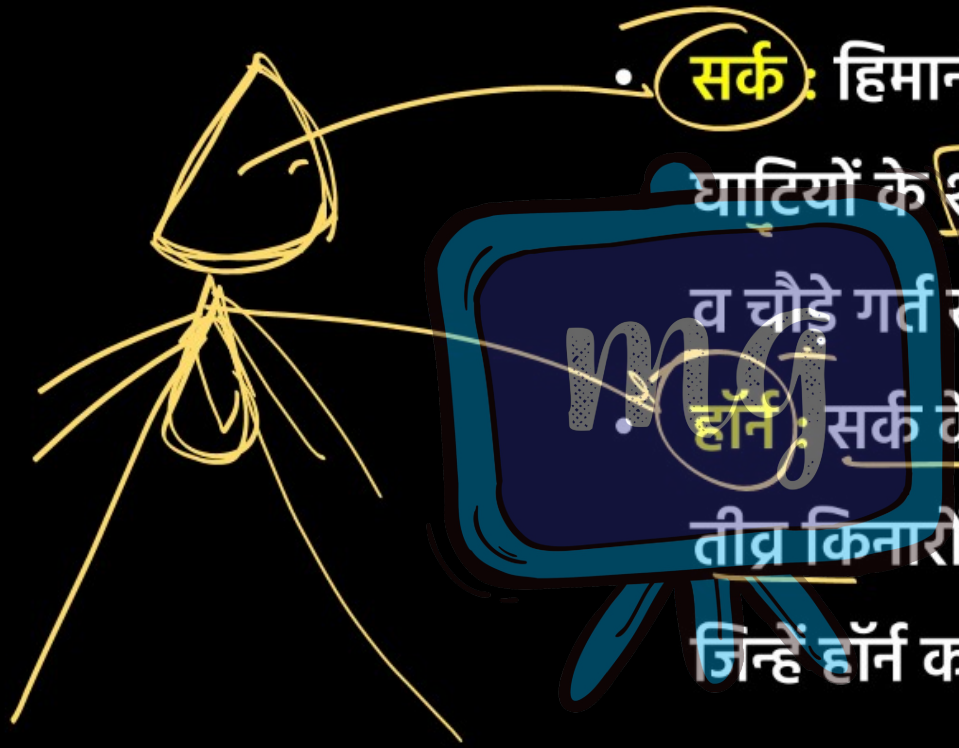
missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- हिमनद द्वारा कर्षित चट्टानी पदार्थ इसके तल में घसीटे जाते हैं या किनारों पर अपघर्षण करते हैं।
- इसके प्रमुख अपरदित स्थलरुप निम्नलिखित हैं:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

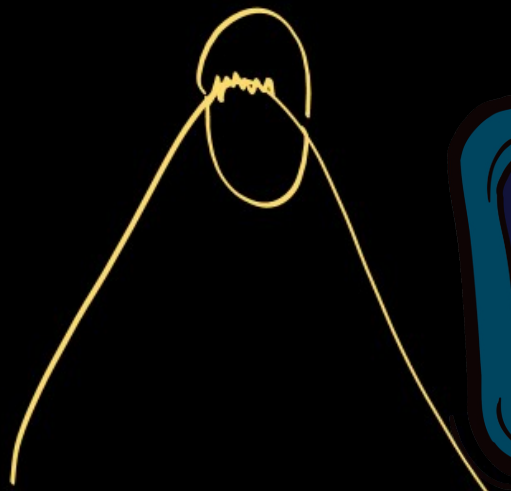


- **सर्क :** हिमानीकृत पर्वतीय भागों में हिमनद घाटियों के शीर्ष पर पाए जाने वाले गहरे, लंबे व चौड़े गर्त सर्क कहलाते हैं।
- **हॉर्न :** सर्क के शीर्ष पर निरंतर अपरदन होने से तीव्र किनारों वाली नुकीली चोटियाँ बनती हैं जिन्हें हॉर्न कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



- **अरेत :** लगातार अपरदन से सर्क की दोनों दीवारें तंग हो जाती हैं और इनका आकार कंघी या आरी के समान कटकों के रूप में हो जाता है, जिन्हें अरेत (तीक्ष्ण कटक) कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.18 हिमनदीय निक्षेपण से निर्मित 'हिमोढ़' (Moraines) के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q.18 हिमनदीय निक्षेपण से निर्मित 'हिमोढ़' (Moraines) के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: पिघलते हुए हिमनद के द्वारा मिश्रित रूप में भारी व महीन पदार्थों का निक्षेप हिमोढ़ कहलाता है। स्थिति के आधार पर इसके प्रमुख प्रकार हैं:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. **अंतस्थ हिमोढ़ :** यह हिमनद के अंतिम भाग में मलबे के निक्षेप से बनी लंबी कटकें हैं।
2. **पार्श्विक हिमोढ़ :** यह हिमनद घाटी की दीवार के समानांतर निर्मित होते हैं और अंतस्थ हिमोढ़ से मिलकर घोड़े की नाल जैसी आकृति बनाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

3. **तलस्थ (ग्राउंड) हिमोढ़ :** घाटी हिमनद के तेजी से पिघलने पर तल पर हिमनद टिल के अव्यवस्थित व भिन्न मोटाई के निक्षेप होते हैं।

4. **मध्यस्थ हिमोढ़ :** घाटी के मध्य में पाश्विक हिमोढ़ के साथ-साथ मिलने वाले हिमोढ़ मध्यस्थ हिमोढ़ कहलाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.19 ड्रमलिन (Drumlins) क्या हैं? इनकी संरचना और विशेषता प्ररूप को स्पष्ट कीजिए।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.19 ड्रमलिन (Drumlins) क्या हैं? इनकी संरचना और विशेषता प्ररूप को स्पष्ट कीजिए।

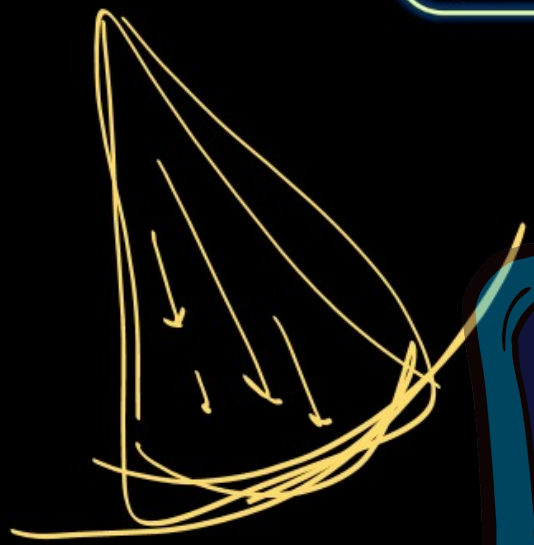
उत्तर :

- ड्रमलिन हिमनद मृत्तिका के अंडाकार समतल कटकनुमा स्थलरूप हैं जिसमें रेत व बजरी के ढेर होते हैं।
- ड्रमलिन के लंबे भाग हिमनद के प्रवाह की दिशा के समानांतर होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



- ये सामान्यतः एक किलोमीटर लंबे व 30 मीटर तक ऊँचे होते हैं। ड्रमलिन का हिमनद सम्मुख भाग 'स्टॉस' (Stoss) कहलाता है, जो पूच्छ (Tail) भाग की अपेक्षा अधिक तीखा व तीव्र ढाल लिए होता है।
- इनका निर्माण हिमनद दरारों में भारी मलबे के भरने से होता है और ये हिमनद प्रवाह की दिशा को दर्शाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न

Q.20 कार्स्ट स्थलाकृति (भौम जल) के अपरदनात्मक तथा निक्षेपनात्मक स्थलरूपों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.20 कार्स्ट स्थलाकृति (भौम जल) के अपरदनात्मक तथा निक्षेपनात्मक स्थलरूपों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तर : जब पारगम्य और जोड़ों वाली चूना पत्थर या डोलोमाइट चट्टानों पर धरातलीय व भौम जल प्रवाहित होता है, तो रासायनिक प्रक्रिया (घोलीकरण व अवक्षेपण) द्वारा विशिष्ट स्थलाकृतियों का विकास होता है, जिन्हें 'कार्स्ट स्थलाकृति' कहा जाता है। इसके प्रमुख स्थलरूप निम्नलिखित हैं:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- **अपरदनात्मक स्थलरूप**

i. घोलरंध्र व विलयन रंध्र :

- चूना पत्थर के तल पर घुलन क्रिया द्वारा वृत्ताकार व कीप के आकार के छिद्र बनते हैं जिन्हें घोलरंध्र कहते हैं।
- इनके विलय पर इन्हें विलयन रंध्र कहा जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ii. निपात रंध्र (डोलाइन) :

- जब घोलरंध्रों के नीचे बनी कंदराओं की छत ध्वस्त हो जाती है, तो बड़े छिद्र 'निपात रंध्र' या डोलाइन बनते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

iii. घाटी रंध्र (युवाला) :

- जब घोलरंध्र व डोलाइन कंदराओं की छत के गिरने से आपस में मिल जाते हैं, तो लंबी, तंग खाइयाँ बनती हैं जिन्हें घाटी रंध्र या युवाला कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

iv. लेपीज :



- चूनायुक्त चट्टानों के अधिकांश भाग गर्तों में चले जाने पर पूरे क्षेत्र में अनियमित, पतले व नुकीले कटक रह जाते हैं जिन्हें लेपीज कहते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

v. कंदराएँ तथा सुरंगें :



- भौम जल के क्षैतिज प्रवाह से संस्तर तल पर घुलन क्रिया द्वारा लंबे रिक्त स्थान बनते हैं जिन्हें कंदराएँ कहते हैं।
- दोनों सिरों से खुली कंदराएँ सुरंग कहलाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- **निक्षेपनात्मक स्थलरूप**
  - कंदराओं के भीतर कैल्शियम कार्बोनेटयुक्त जल के वाष्पीकरण और कार्बन डाइऑक्साइड के मुक्त होने से निक्षेपण होता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसमें छत से लटकते हुए 'स्टैलेक्टाइट', फर्श से ऊपर उठते 'स्टैलेग्माइट', तथा इनके मिलने से बनने वाले 'स्तंभ' प्रमुख निक्षेपनात्मक स्थलरूप हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.21 हिमनदों द्वारा अपरदन एवं निक्षेपण से निर्मित प्रमुख स्थलरूपों (सर्क, हॉर्न, U-आकार की घाटी, हिमोढ़, एस्कर और ड्रमलिन) का विस्तार से वर्णन करें।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

Q.21 हिमनदों द्वारा अपरदन एवं निक्षेपण से निर्मित प्रमुख स्थलरूपों (सर्क, हॉर्न, U-आकार की घाटी, हिमोढ़, एस्कर और ड्रमलिन) का विस्तार से वर्णन करें।

उत्तर : हिमनद पर्वतीय ढालों व घाटियों में प्रवाहित होने वाली हिम संहति हैं जो अपने भारी भार और घर्षण द्वारा धरातल पर तीव्र अपरदन व निक्षेपण करती हैं। इनसे निम्नलिखित प्रमुख स्थलरूप बनते हैं:

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

अपरदनात्मक स्थलरूप

1. सर्क :

- हिमनद घाटियों के शीर्ष पर पाए जाने वाले गहरे, लंबे व चौड़े गर्त सर्क कहलाते हैं, जिनमें जल भरने से टार्न झील बनती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

2. हॉर्न और अरेत :

- सर्क के शीर्ष पर लगातार अपरदन से नुकीली चोटियाँ (हॉर्न) तथा आरी के समान तीखे कटक (अरेत) बनते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

3. हिमनद घाटी (U-आकार की घाटी) :

- हिमनद द्वारा बनाई गई घाटियाँ अंग्रेजी के अक्षर U जैसी होती हैं जिनके तल चौड़े व किनारे चिकने और तीव्र ढाल वाले होते हैं। मुख्य घाटी के ऊपर लटकती घाटियाँ भी पाई जाती हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

निक्षेपनात्मक स्थलरूप

1. हिमोढ़ :
   - पिघलते हिमनद द्वारा लाए गए मलबे के लंबे कटक हिमोढ़ कहलाते हैं, जो स्थिति के आधार पर अंतस्थ, पार्श्विक, मध्यस्थ और तलस्थ हिमोढ़ के रूप में होते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

2. एस्कर :

- ग्रीष्म ऋतु में हिमनद के नीचे प्रवाहित जलधारा द्वारा लाए गए मलबे के बर्फ पिघलने पर वक्राकार कटक के रूप में जमने से एस्कर बनते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. ड्रमलिन :

- हिमनद मृत्तिका के अंडाकार समतल कटकनुमा स्थलरूप ड्रमलिन कहलाते हैं, जिनका हिमनद सम्मुख भाग (स्टॉस) तीव्र ढाल वाला होता है।